।। गणपति वन्दना ।।

वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभः ।
निर्विघ्नं कुरू मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा ।।

卐 卐 卐

गाइये गनपति जगवन्दन ।
शंकर सुवन भवानी–नन्दन ।।
गाइये गनपति जग .....

सिद्धि–सदन, गजवन्दन, विनायक ।
कृपा–सिन्धु, सुन्दर सब लायक ।।
गाइये गनपति जग .....

मोदक–प्रिय, मुद–मंगलदाता ।
विद्या–बारिधि, बुद्धि–विधाता ।।
गाइये गनपति जग .....

माँगत 'तुलसीदास' कर जोरे ।
बसहिं रामसिय मानस मोरे ।
गाइये गनपति जग .....